

Code No.: MFSMG-15

Total No. of Questions : 3

Total No. of Printed Pages : 1

स्नातकोत्तरपरीक्षा:- २०१५

एम्.ए. - विद्वदुत्तमा - प्रथमवर्षम्

शास्त्रम् - पूर्वमीमांसा

भागः - २, पत्रिका - ५

विषयः - स्वशास्त्रेतिहासः

दिनाङ्कः - 30-3-2015

गरिष्ठाङ्काः - ८०

समयः - 10.00 A.M. to 1.00 P.M.

Max. Marks - 80

I. द्वौ प्रश्नौ समाधेयौ।

2 × 15 = 30

१. मीमांसकमते पदार्थविभागं प्रदर्श्य, तत्र गुणपदार्थं विवृणुत।
२. ग्रन्थोक्तदिशा प्रत्यक्षप्रमाणं निरूपयत।
३. ख्यातिवादं ग्रन्थोक्तदिशा प्रतिपादयत।

II. पञ्च प्रश्नाः समाधेयाः।

5 × 6 = 30

१. मोक्षस्वरूपं व्याकुरुत।
२. पार्थसारथिमिश्रस्य देशकालादिकं यथाग्रन्थं व्याख्यात।
३. वेदप्रमाण्यं व्यवस्थापयत।
४. वृत्तिकारः कः ग्रन्थोक्तदिशा प्रतिपादयत।
५. मुरारेः तृतीयः पन्थाः इत्यभिप्रायं स्पष्टयत।
६. अन्विताभिधानवादं निरस्य अभिहितान्वयवादं निरूपयत।

III. टिप्पणीः लिखत।

10 × 2 = 20

- | | |
|-------------|-------------------|
| १. मीमांसा | २. गुरुमतम् |
| ३. जातिः | ४. भ्रमज्ञानं |
| ५. धर्मः | ६. टुपूटीका |
| ७. द्रव्यम् | ८. त्रिपुटीज्ञानं |
| ९. दर्शनम् | १०. विधिस्वरूपम् |